NEWS CLIPPING: 01.08.2021

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में शिक्षकों को शोध परियोजनाओं के लिए दिया अनुदान

फरीदाबाद,31 जुलाई (ब्यूरो): विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं को प्रेरित करने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अनुसंधान नीति के तहत नवनियुक्त संकाय सदस्यों के नौ शोध प्रस्तावों को स्वीकृति किया है तथा शोध के लिए प्रारंभिक अनुदान के रूप में 18 लाख रुपए का अनुदान प्रदान किया है।

अनुसंधान नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों की चयनित परियोजनाओं के लिए अधिकतम 2 लाख रुपये प्रदान करता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं विकास अनुभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरण किया। कार्यक्रम का समन्वय डिप्टी डीन डॉ. राजीव साहा द्वारा किया गया था। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस. के गर्ग एवं अन्य डीन भी उपस्थित थे। जिन संकाय सदस्यों को शोध प्रस्तावों के लिए अनुदान प्राप्त हुआ, उनमें रसायन विज्ञान विभाग से डॉ. रवि कुमार, डॉ. अनुराग प्रकाश और डॉ. विनोद कुमार, भौतिकी विभाग से डॉ. अरुण कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार और डॉ. योगिता, पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग से डॉ. सोमवीर बाजार व सिविल इंजीनियरिंग विभाग से डॉ विशाल पुरी शामिल हैं।

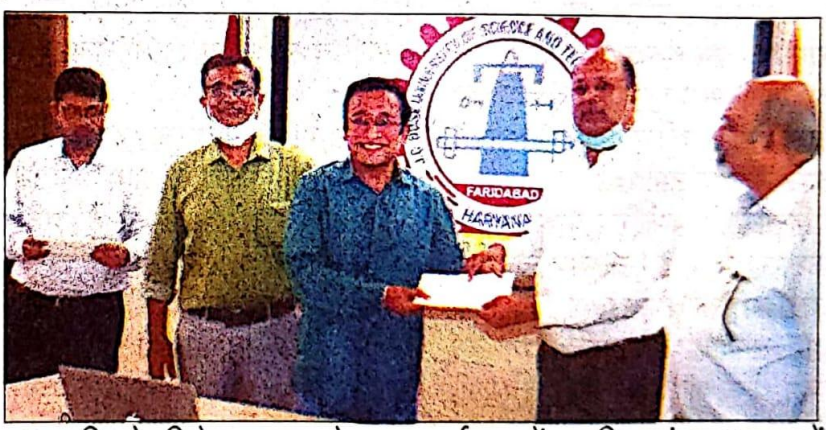

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने एक कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरित करते हुए।

NEWS CLIPPING: 01.08.2021

SATYAJAY TIMES

जे.सी. बोस विश्वविद्यालय में शिक्षकों को शोध परियोजनाओं के लिए दिया अनुदान

कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरित करते कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ।
छाया: सत्यजय टाईम्स/पुष्पा अग्रवाल।

फरीदाबाद, 31 जुलाई, सत्यजय टाईम्स/सुनील अग्रवाल। विश्वविद्यालय में शोधकर्ताओं को प्रेरित करने और अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद ने अनुसंधान नीति के तहत नवनियुक्त संकाय सदस्यों के नौ शोध प्रस्तावों को स्वीकृति किया है तथा शोध के लिए प्रारंभिक अनुदान के रूप में 18 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया है।

अनुसंधान नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों की चयनित परियोजनाओं के लिए अधिकतम 2 लाख रुपये प्रदान करता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं विकास अनुभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरण किया। कार्यक्रम का समन्वय डिप्टी डीन डॉ. राजीव साहा द्वारा किया गया था। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. एस. के गर्ग एवं अन्य डीन भी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विभिन्न अनुसंधान पहलों को प्रोत्साहित करके शोध संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान प्रोत्साहन बोर्ड का गठन किया गया है।

नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ संबंध को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और उसमें सुधार करने के लिए रिसर्च अवार्ड्स की शुरूआत की है।

उन्होंने आशा जताई कि इन पहलों से विश्वविद्यालय में अनुसंधान संस्कृति को प्रोत्साहन मिलेगा और शोध कार्य की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। डीन (आरएंडडी) प्रो. राजेश कुमार आहूजा ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2016 में अनुसंधान प्रस्तावों के लिए अनुदान देने की शुरूआत की गई थी, और अब तक संकाय सदस्यों के शोध प्रस्तावों के लिए 50 लाख रुपये तक अनुदान दिया जा चुका है। उन्होंने अनुदान प्राप्त करने वाले संकाय सदस्यों को बधाई दी। जिन संकाय सदस्यों को शोध प्रस्तावों के लिए अनुदान प्राप्त हुआ, उनमें रसायन विज्ञान विभाग से डॉ. रवि कुमार, डॉ. अनुराग प्रकाश और डॉ. विनोद कुमार, भौतिकी विभाग से डॉ. अरुण कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार और डॉ. योगिता, पर्यावरण विज्ञान एवं इंजीनियरिंग विभाग से डॉ. सोमवीर बाजार व डॉ. नवीन कटारिया और सिविल इंजीनियरिंग विभाग से डॉ विशाल पुरी शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 01.08.2021

HINDUSTAN

स्मार्ट सिटी के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में दाखिले का दौर हुआ शुरू, 50 से अधिक कोचिंग संस्थान में कई युवा कर रहे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी

कोविड संक्रमण का खतरा कम होने से शहर में लौटने लगे छात्र

राहत

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

शहर के शिक्षण संस्थानों में दाखिलों का दौर शुरू हो चुका है और कोरोना संक्रमण भी कम होने के चलते छात्र एक बार फिर स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में लौटने लगे हैं। अभी छात्रों की संख्या काफी कम है, लेकिन उम्मीद व्यक्त की गई है कि अगले महीने तक छात्रों की संख्या एक बार फिर बढ़ने लगेगी।

विदेशी छात्र अभी तक वापस नहीं लौटे हैं, लेकिन विभिन्न राज्यों के छात्र आने लगे हैं। स्मार्ट सिटी फरीदाबाद में 20 से अधिक बड़े इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट कॉलेज हैं, 50 से अधिक कोचिंग संस्थान हैं, जहां युवा विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। कुछ छात्र दिल्ली में कोचिंग लेते हैं, वह दिल्ली सटे इलाकों चार्मवुड विलेज, लकड़पुर, ग्रीन फील्ड कॉलोनी, सेक्टर-37 व सराय आदि इलाकों में किराए पर रहते हैं।

> स्मार्ट सिटी के शिक्षण संस्थानों में विदेशी छात्र तो अभी तक नहीं आए हैं, हालांकि यहां विभिन्न कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्र बिहार, झारखंड और मध्यप्रदेश आदि राज्यों से अब लौटने लगे हैं।
>
> -बिरेंद्र भड़ाना, अध्यक्ष, आरडब्ल्यूए ग्रीन फील्ड कॉलोनी

जेसी बोस विश्वविद्यालय का छात्रावास। ● फाइल फोटो

विदेशी छात्रों के लिए शिक्षा केंद्र है स्मार्ट सिटी : अफगानिस्तान, इरान, नाइजीरिया, दक्षिण कोरिया व सीरिया के छात्र विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पढ़ाई करते हैं। पीएचडी, एमटेक, बीटेक, बीएससी, सूचना प्रौद्योगिकी और बीएससी एनिमेशन व फिल्म डिजाइन आदि कोर्सों के लिए विदेशी छात्र यहां पढ़ाई के लिए आते हैं।

दिल्ली से सटे इलाकों में रह रहे छात्र

धनबाद निवासी छात्र शाहनवाज व बलिया के अभिषेक बताते हैं कि दिल्ली में रहना बहुत महंगा है। इसलिए फरीदाबाद में रहता हूं। यहां पांच से आठ हजार में महीने का खर्च है। जबकि दिल्ली में 10 से 15 हजार खर्च आता है। जब अन्य छात्र आ जाएंगे तो यह कम हो जाएगा। एक रूम में चार-पांच छात्र रहते हैं और एक कुक रखते हैं, तो पांच हजार से अधिक खर्च नहीं आता है। दूसरे राज्यों से आए छात्र दिल्ली से सटे इलाकों ग्रीन फील्ड कॉलोनी, चार्मवुड विलेज, लकड़पुर, सेक्टर-21, अनंगपुर, सेक्टर-37, सराय खाजा, अशोका एंक्लेव आदि इलाकों में रहते हैं। संगीत सोसाइटी आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष प्रमोद ने बताया कि यहां खाली पड़े फ्लैटों को छात्रों को किराए पर दे देते हैं। उम्मीद है संक्रमण और कम होने पर अगले महीने तक और छात्रों का आना शुरू हो जाएगा।

NEWS CLIPPING: 01.08.2021

HINDUSTAN

शोध के लिए 18 लाख रुपये का अनुदान दिया

फरीदाबाद | वरिष्ठ संवाददाता

अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए जेसी बोस विश्वविद्यालय में शोधार्थी शिक्षकों और छात्रों को विभिन्न शोध परियोजनाओं के लिए अनुदान दिया गया। अनुसंधान नीति के तहत नवनियुक्त संकाय सदस्यों के नौ शोध प्रस्तावों को स्वीकृत किया है और शोध के लिए प्रारंभिक अनुदान के रूप में 18 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया है।

अनुसंधान नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालय संकाय सदस्यों की चयनित परियोजनाओं के लिए अधिकतम 2 लाख रुपये प्रदान करता है। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं विकास अनुभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरण किया। कार्यक्रम का समन्वय डिप्टी डीन डॉ. राजीव साहा द्वारा किया गया था। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय विभिन्न अनुसंधान पहलों को प्रोत्साहित करके शोध संस्कृति को बढ़ावा दे रहा है।

अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा रहा : विश्वविद्यालय में अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान प्रोत्साहन बोर्ड का गठन किया गया है। नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए उद्योगों के साथ संबंध को मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय ने अनुसंधान की गुणवत्ता को बढ़ावा देने और उसमें सुधार करने के लिए रिसर्च अवार्ड्स की शुरुआत की है।

NEWS CLIPPING: 01.08.2021

AMAR UJALA

जेसी बोस विवि में शोध के लिए दिया 18 लाख का अनुदान

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विवि वाईएमसीए ने नवनियुक्त संकाय सदस्यों के नौ शोध प्रस्तावों को स्वीकृति किया है। जिसके लिए 18 लाख रुपये का अनुदान प्रदान किया है।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अनुसंधान एवं विकास अनुभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में चयनित संकाय सदस्यों को अनुदान राशि वितरण किया। कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय ने अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए अनुसंधान प्रोत्साहन बोर्ड का गठन किया गया है। वहीं रिसर्च अवाड्र्स की शुरुआत की है। डीन आरएंडडी प्रो. राजेश कुमार आहुजा ने कहा कि वर्ष 2016 में अनुसंधान के लिए अनुदान देने की शुरुआत की गई थी। अब तक 50 लाख रुपये तक अनुदान दिया जा चुका है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 01.08.2021

AMAR UJALA

महिला अधिकारों पर कार्यक्रम

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के साहित्य एवं भाषा विभाग द्वारा पॉलीफनी नामक दो दिवसीय ऑनलाइन साहित्यिक कार्यक्रम संपन्न हो गया। इसमें कई विश्वविद्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों से लगभग 150 प्रतिभागियों ने भाग लिया। पूर्व विधायक प्रेमलता सिंह मुख्य अतिथि के रुप में शामिल हुई। वहीं पंडित जवाहर लाल नेहरू गवर्नमेंट कॉलेज से डॉ. नील कंवल मुख्य वक्ता रहीं। प्रेमलता सिंह ने आजादी से पहले और आजादी के बाद महिलाओं के अधिकारों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। ब्यूरो